Subject :- Knowledge Language & Curriculum

Topic :- विषय केन्द्रित पाठ्यक्रम

विषय केन्द्रित पाठ्यक्रम परम्परावादी पाठ्यक्रम है। ऐसे पाठ्यक्रम मे विषयो को महत्व दिया जाता है। यह बात पूर्व निर्धारित होती है कि बालक को क्या पढना है और शिक्षको को क्या पढाना है। इस पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य पाठ्य विषय को पूर्ण रूप से व्यवस्थित करके बालको को तर्कयुक्त और क्रमपूर्वक ज्ञान प्रदान करना है। विषय केन्द्रित पाठ्यक्रम मे पाठ्य-पुस्तको, पूर्व निश्चित ज्ञान, मानवजाति के संचित अनुभव और विषयो के सहसम्बन्ध पर बल दिया जाता है।

मलनर्हौ के अनुसार – "विषय केन्द्रित पाठ्यक्रम मे छात्रो की क्रियाओ को विषय केन्द्रित आधार पर निश्चित तथा संगठित किया जाता है।"

विषय केन्द्रित पाठ्यक्रम के गुण

⇒ विषयो पर आधारित पाठ्यक्रम समझने मे सदैव सरल होता है। इसमे छात्रो और शिक्षको दोनो को यह पता रहता है कि उन्हे क्या पढना है और क्या पढाना है।

⇒ इस पाठ्यक्रम मे विषय का ज्ञान क्रमबद्ध सुव्यवस्थित, संगठित और तर्कसंगत ढंग से प्राप्त हो जाता है।

⇒ इस पाठ्यक्रम मे पूर्व योजना एवं लक्ष्य निहित होते है, जिससे शिक्षण प्रक्रिया को अच्छी तरह से संचालित करने मे सुविधा रहती है।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

⇒ इस प्रकार के पाठ्यक्रम की योजना बनाना सरल होता है क्योंकि अध्यापको को विषय की जानकारी होती है, इसलिए विषयो के संगठन मे कोई कठिनाई नही होती।

⇒ यह पाठ्यक्रम मानव के अनुभवो का लघु रूप है।

⇒ इस पाठ्यक्रम से छात्रो को ज्ञान प्राप्त करने के साथ-2 इसे सुदृढ़ करने तथा जीवन की विभिन्न परिस्थितियो मे प्रभावी रूप से प्रयुक्त कर सकने मे सुविधा रहती है।

⇒ परिस्थितियो और आवश्यकताओ के अनुसार इस प्रकार के पाठ्यक्रम मे परिवर्तन करना सरल होता है।

⇒ इस पाठ्यक्रम मे बालको का मूल्यांकन करने मे सरलता रहती है।

⇒ यह पाठ्यक्रम बालको के बौद्धिक विकास मे बहुत सहायक है।

⇒ इस पाठ्यक्रम मे ज्ञान, सदविचार, चिन्तन-मनन और सूझ-बूझ पर आधारित विषय सामग्री बालको के व्यवहार मे परिवर्तन लाने मे सहायता कर सकती है।

विषय-केन्द्रित पाठ्यक्रम के दोष

⇒ विषय-केन्द्रित पाठ्यक्रम अमनोवैज्ञानिक है क्योकि इस पाठ्यक्रम मे विषयो का चयन करते समय बालको की रुचियो, आवश्यकताओ, योग्यताओ पर कोई ध्यान नही दिया जाता।

⇒ इस पाठ्यक्रम मे पाठ्य-पुस्तके शिक्षा का केन्द्र बिन्दु हो जाती है।

⇒ इस पाठ्यक्रम से बालक का सर्वांगीण विकास नही हो पाता।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

⇒ इस पाठ्यक्रम मे व्यक्तिगत भेदो की अवहेलना की जाती है। प्रतिभाशाली, सामान्य और पिछडे बालक एक कक्षा मे साथ-साथ ही पढते है।

⇒ यह पाठ्यक्रम अनुभवो को ग्रहण करने मे बाधा पैदा करता है और सीखने की प्रक्रिया को सीमित करके विकास मे बाधा डालता है।

⇒ विषय केन्द्रित पाठ्यक्रम कक्षीय शिक्षण को ही शिक्षा का साधन मानता है।

⇒ इस पाठ्यक्रम मे अधिगम का स्थानांतरण सरलता से तथा प्रभावी रूप से सम्भव नही हो पाता।

⇒ यह पाठ्यक्रम प्रजातान्त्रिक देशो के बालको की आवश्यकताओ को पूरा करने मे असमर्थ रहता है।

⇒ इस पाठ्यक्रम का क्रियान्वयन यान्त्रिक ढंग से होता है, जिससे अपेक्षित उद्देश्यो की प्राप्ति नही होती। अतः यह अप्रेरणादायी और कृत्रिम प्रतीत होता है।

⇒ यह पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम के लचीलेपन के सिद्धान्त को पूरा नही करता, क्योंकि इसमे परिवर्तन करना और कल्पनापूर्ण शिक्षण करना असम्भव नही तो कठिन अवश्य होता है।

Thankyou

by
Mr. Parveen Raj
Asst. Pro.
B.R.C. Deoband.
(SRE.)

Scanned with CamScanner